शनिवार
06 अप्रैल 2024

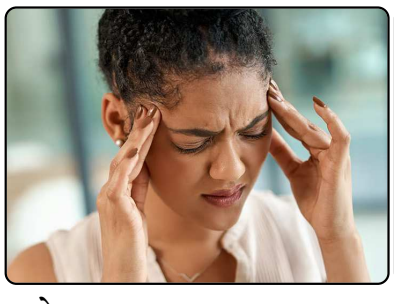

पृष्ठ 4

**गर्मियों में गंभीर हो जाती है माइग्रेन की स्थिति, जानिए इसके कारण और बचाव**

पृष्ठ 5

**द फैमिली स्टार: विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की जमी जोड़ी**

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 69
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

**आज का विचार**

संसार में सर्वाधिक शक्ति युवावस्था और नारी के सौंदर्य में होती है।

— चाणक्य

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# भाजपा लाएगी जनसंख्या नियंत्रण कानून!

## ❑भाजपा के घोषणा पत्र में शामिल करने का सुझाव

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र जारी होने के बाद अब भाजपा के घोषणा पत्र पर भी चर्चा शुरू हो गई है। घोषणा पत्र के मुद्दों के बारे में सवाल किए जाने पर भाजपा के नेता जनसंख्या नियंत्रण कानून को अपना प्राथमिक मुद्दा बता रहे हैं। उत्तराखंड भाजपा द्वारा घोषणा पत्र समिति को भेजे गए सुझाव में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा गया है तथा यूसीसी की तरह इसका ड्राफ्ट भी उत्तराखंड सरकार द्वारा तैयार किए जाने की बात भी चर्चाओं में है।

इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि राज्य के हित में जो कुछ भी जरूरी होगा वह करेंगे। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर धामी कहते हैं कि राज्य की मूल संस्कृति को बनाए रखने के लिए जो कुछ भी जरूरी होगा वह करेंगे। यही बात उन्होंने यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लेकर भी कही थी। जिसे अब विधानसभा से मंजूरी के बाद राष्ट्रपति के पास भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री से इस संदर्भ में जब यह पूछा गया कि पहले यूसीसी और

## ❑पहले 10 बच्चे पैदा करने की बात अब जनसंख्या नियंत्रण की क्यों: माहरा

जनसंख्या नियंत्रण कानून का ड्राफ्ट उत्तराखंड सरकार द्वारा बनाया जाना क्या उत्तराखंड भाजपा की एक प्रयोगशाला बन चुका है जहां इस तरह के कानून को बनाकर उनका परीक्षण किया जा रहा है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला जैसा शब्द उत्तराखंड के संदर्भ में ठीक नहीं है। उत्तराखंड देवभूमि है उत्तराखंड वीर भूमि है लेकिन सामाजिक सरोकारों से जुड़े कानून अगर उत्तराखंड से निकल कर आते हैं तो यह हमारे लिए गर्व की बात है।

वही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने भाजपा के घोषणा पत्र में जनसंख्या नियंत्रण कानून के मुद्दे पर कहा है कि भाजपा के पास देश और समाज के विकास की न कोई सोच है न कोई विजन है। वह सिर्फ वोट तक ही सोच सकते हैं। उनका कहना है कि यही भाजपा के नेता एक समय में मंचों से हिंदुओं को 10-10 बच्चे पैदा करने की सलाह देते थे और डराते थे कि तुम एक या दो बच्चे पैदा करोगे तो एक दिन अपने ही देश में अल्पसंख्यक बनकर रह जाओगे। आज यही भाजपा के नेता जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की बात करते हैं तो इससे उनकी सोच समझ क्या है इसका पता चलता है।

# भीख मंगवाने के लिए किया था मासूम का अपहरण, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भीख मंगवाने के उद्देश्य से एक तीन वर्षीय मासूम का अपहरण करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से मासूम को बरामद कर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दिया गया है। साथ ही आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते एक अप्रैल को उत्तर प्रदेश निवासी महेंद्र पुत्र यादराम द्वारा बेटे के मुंडन के दौरान उसकी 3 वर्षीय बेटी के कहीं चले जाने संबंधी शिकायत कोतवाली नगर पर दी गयी थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मासूम की तलाश शुरू कर दी गयी। शुरुआती दौर जांच के दौरान जब पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चैक किये तो उसमें बैग टांगे एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति बच्ची को अपने कंध ` पर बैठाकर ले जाता हुआ दिखाई दिया। इस पर

पुलिस ने उक्त संदिग्ध की पहचान के लिए धरातल पर प्रयास करने के साथ ही हरिद्वार पुलिस के सोशल मीडिया पेज का उपयोग कर जनसहयोग मांगा गया। लगातार की जा रही मेहनत में कामयाबी हासिल करते हुए पुलिस ने संदिग्ध आरोपी सुरेंद्र सिंह पुत्र वलीद निवासी ग्राम हाथी करौंदा जिला शामली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अपहृत बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया । जिसे उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह बच्ची को भीख मांगने के उद्देश्य से अपहरण कर लाया था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

# सीबीआई ने किया बच्चा चोरी गैंग का पर्दाफाश, किये 8 नवजात रेस्क्यू

नई दिल्ली (नसं)। बच्चा चोरी गैंग का पर्दाफाश करते हुए सीबीआई ने एक महिला सहित कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है जिनके कब्जे से 8 नवजात रेस्क्यू किये गये है। बताया जा रहा है कि मानव तस्करी करने वाले इस गैंग के लोग अस्पताल से नवजात बच्चों की चोरी करते है। हिरासत में लिए गए लोगों में अस्पताल के वार्ड बॉय समेत कुछ महिलाएं और पुरुष भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार पिछले 1 महीने में करीब 10 बच्चे बेचे जा चुके हैं। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से दिल्ली के कुछ बड़े अस्पतालों से बच्चों के गायब होने की खबर मिल रही थी। इसके बाद सीबीआई ने कई जगहों पर छापेमारी की और एक महिला समेत कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। इन सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। सीबीआई को बच्चों को खरीद-फरोख्त किए जाने की सूचना मिलने के बाद गायब हो रहे बच्चों के मामले में छापेमारी की गयी थी।

# पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में एनआईए की टीम पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में भूपतिनगर में हुए ध माके के केस में जांच करने की एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की टीम पर हमला होने की जानकारी सामने आई है। एनआईए की टीम सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) के साथ इस मामले में गिरफ्तारी करने गई थी। इस दौरान अज्ञात लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने एनआईए टीम पर पत्थर फेंके जिससे कार के शीशे टूट गए। वहीं, 2 अधिकारियों को चोट भी आई है। गनीमत रही कि कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। बता दें कि करीब 3 महीने पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)

की टीम पर संदेशखाली में हमला हुआ था। जानकारी के अनुसार एनआईए की टीम साल 2022 में हुए बम धमाके के मामले में जांच करने पहुंची थी। तभी हमलावरों ने एनआईए के वाहन पर ईंट-पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। यह घटना शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे की है।

बता दें कि यह हमला 3 दिसंबर 2022 को हुआ था जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पिछले महीने एनआईए ने टीएमसी के आठ नेताओं को पूछताछ के लिए समन भेजा था। इससे पहले भी इन नेताओं को पेश होने के लिए कहा गया था लेकिन वह हाजिर नहीं हुए थे। टीएमसी नेताओं ने आरोप लगाया है कि एनआईए भाजपा के इशारे पर उनके खिलाफ काम कर रही है। टीएमसी नेता कुणाल घोष आरोप लगा चुके हैं कि भाजपा ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के टीएमसी नेताओं की एक लिस्ट एनआईए को दी है। एनआईए इन नेताओं को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है।

दून वैली मेल

## संपादकीय

# असाधारण-घोषणा पत्र

बीते कल कांग्रेस द्वारा न्याय पत्र के नाम से जो अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया गया है वह देश के स्वतंत्रता के इतिहास में पहला ऐसा घोषणा पत्र है जो सिर्फ इस बात की गारंटी नहीं देता है कि अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो वह जनता के लिए क्या-क्या करेगी अपितु संवैधानिक व्यवस्थाओं और संसद की कार्यप्रणाली से लेकर मीडिया की स्वायत्तता और न्यायपालिका तक में क्या बदलाव लाएगा इसका एक विस्तृत खाका खींचा गया है। इस न्याय पत्र को पढ़कर हर किसी को एक बार भी यह लग सकता है कि क्या वैसा किया जाना संभव है? लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष खड़गें के बयान पर गौर करें तो उनका कहना है कि इसमें उन तमाम मुद्दों को रखा गया है जो किया जाना संभव है। राहुल गांधी का कहना है कि यह हमारा घोषणा पत्र नहीं हमने तो सिर्फ इसे लिखा है यह देश की आम जनता का घोषणा पत्र है। उन्होंने अपनी न्याय यात्रा के दौरान लोगों से मिलकर जो सुना और महसूस किया उसका दस्तावेज है। इसलिए इसे हम असाधारण घोषणा पत्र कह रहे हैं। इसमें मीडिया की आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने का वायदा किया गया और निजता के अधिकार को संरक्षित रखने की बात ही नहीं की गई है अपितु इसके लिए क्या किया जाएगा इसका भी उल्लेख है। न्यायपालिका को और सशक्त तथा समृद्ध बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की दो अलग-अलग शाखाओं की व्यवस्था करने जिसमें से एक संवैधानिक और दूसरा अदालतीय मामलों की सुनवाई करेगी तथा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्तियों के लिए राष्ट्रीय न्यायपालिका आयोग का गठन सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट की सहमति से करने का वायदा किया गया। देश की संसद भी सत्ता पक्ष की मनमानी से न चले जैसे कि अब तक चलती रही इसमें बदलाव की बात का उल्लेख भी किया गया है। लोकसभा के अध्यक्ष निष्पक्ष बनाने के लिए सत्तारूढ़ दल से उसके इस्तीफे की व्यवस्था और 1 साल में 100 दिन संसद चलने की अनिवार्य व्यवस्था करने का वायदा किया गया है। जिसमें एक दिन विपक्ष के सवालों के लिए भी रिजर्व होगा। निश्चित तौर पर अगर ऐसा कुछ होता है तो यह संसदीय व्यवस्था में ऐतिहासिक बदलाव ही होगा। यह घोषणा पत्र सिर्फ यह कहने भर के लिए नहीं लाया गया है। महिलाओं को क्या-क्या दिया जाएगा कितना आरक्षण होगा गरीब महिलाओं को एक लाख सालाना दिया जाएगा या 30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जाएगी या फिर अग्नि वीर योजना को बदला जाएगा या किसानों के कर्ज माफ किए जाएंगे और उनके लिएं न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी कानून लाया जाएगा। अथवा नीति आयोग को फिर से योजना आयोग में बदला जाएगा। इस घोषणा पत्र में व्यवस्थाओं में बदलाव की जो गारंटी दी गई है वह इस घोषणा पत्र को अब तक के तमाम घोषणा पत्रों से अलग बनाता है, वह भी अत्यंत व्यापक स्तर पर। चुनावी घोषणा पत्रों को आमतौर पर गंभीरता से नहीं लिया जाता है लेकिन कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा से पहले ही अपना घोषणा पत्र जारी कर एक लंबी लकीर खींच दी है वह भी इस दावे के साथ कि उसने जो कहा है उसे करके दिखाएंगे जनता इस घोषणा पत्र को कैसे लेती है और भाजपा इसके जवाब में कैसा घोषणा पत्र लाती है इन सवालों का जवाब तो आने वाला समय ही देगा लेकिन कांग्रेस के इस घोषणा पत्र को उसका एक बड़ा साहसिक कदम जरूर माना जा सकता है।

# सरकार ने 29 श्रम कानून समाप्त कर श्रमिकों को गुलामी की तरफ धकेला: लेखराज

संवाददाता

मसूरी। सीटू के महामंत्री लेखराज ने कहा कि मोदी सरकार ने 44 में से प्रभावशाली 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर मालिको के पक्ष में चार श्रम संहितायें करोनाकाल मे संसद में बनाये है जोकि श्रमिको को गुलामी की ओर धकेल रही है जिससे इस सरकार का मजदूर विरोध ी चेहरा सामने है इस लिए श्रमिक मोदी को सत्ता से बाहर करेगा।

आज यहां सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) मसूरी की बैठक कामरेड भगवान सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सीटू ने इफटा के प्रांतीय महामन्त्री कामरेड सतीस को श्रधांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर सीटू के चुनाव घोषणा पत्र का विमोचन किया गया जिसे प्रत्येक श्रमिक तक पहुंचाएंगे ओर इस सरकार के साम्प्रदायिक एजेंडे को धो कर मुद्दों पर चर्चा करने का काम करेंगे। इस अवसर पर के जिला महामंत्री लेखराज ने कहा कि मोदी सरकार ने 44 में से प्रभावशाली 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर मालिको के पक्ष में चार श्रम संहितायें करोनाकाल मे संसद में बनाये है जोकि श्रमिको को गुलामी की ओर धकेल रही है जिससे इस सरकार का मजदूर विरोधी चेहरा सामने है इस लिए श्रमिक मोदी को सत्ता से बाहर करेगा। इस अवसर पर अधि

वक्ता संघ के महामन्त्री शम्भू प्रसाद ममगाई ने वर्करों की समस्याएं इस सरकार के समय मे बेतहाशा बढ़ी है जिससे श्रमिकों का जीवन दूभर हो गया है जिसकी जिम्मेदार सरकार की नीतियां है ।इस लिए यह मोदी सरकार को सत्ता से हटाना होगा। इस अवसर पर सीटू के मसूरी नगर अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार एक तरफ तो सार्वजनिक संस्थानों जिनमे रेलवे , पोर्ट ,हवाई अड्डे बेच दिए है वही नई पेंशन स्कीम को लागू कर सरकार ने कर्मचारियों वर्धवस्था में सम्मान के साथ जीने का अधिकार छीन लिया है जिसे वर्कर्स मोदी सरकार को वोट नही देगा। और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को ही वोट करेंगे।

इस अवसर पर सीटू के जिला उपाध्यक्ष भगवंत पयाल, उत्तराखंड भोजनमाता कामगार यूनियन की महामन्त्री मोनिका ने कहा कि सरकार द्वारा भोजनमाताओ के साथ धोखा किया है क्योकि 2014 से मोदी सरकार द्वारा मानदेय नही बढ़ाया गया है अपितु भोजन माताओ को निकालने के आदेश किये है इस लिए देश की भोजन्मताये इस सरकार को सत्ता से बेदखल कर देंगे। इस अवसर पर आंगनवाड़ी , आशाओं ने अपनी समस्याओं के हल नही होने से सरकार से नाराज है उन्होंने कहा कि हम इस सरकार को सबक सिखाएंगे। इस अवसर पर सीटू के मसूरी नगर महामन्त्री गम्भीर सिंह पंवार, कोषाध्यक्ष विक्रम ब्लूडी, बैसाख सिंह मिश्रवान, त्रिलोक सिंह चौहान, महिपाल सिंह रावत आंगनवाड़ी यूनियन की अध्यक्ष जयश्री, ममता, आशा यूनियन से सुनीता सेमवाल, सुनीता टेलवाल, गुड्डी देवी, संगीता भंडारी, ललिता, रीना, राजेश्वरी डोभाल,भोजन माता अध्यक्ष मकानी देवी, भाना नेगी, सुनीता भंडारी, राधा त्यागी, दीपा देवी, ज्योति, रोशनी लक्ष्मी, कमला, देशनी सहित बड़ी संख्या में वर्कर्स उपस्तिथ थे।

## दुकान से हजारों रुपये का सामान चोरी

देहरादून (सं)। दुकान से हजारों रूपये कीमत का सामान चोरी किये जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल्हान निवासी अमन गोयल ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सहस्त्रधारा रोड में दुकान है। गत दिवस चोरों ने उसकी दुकान से एक मोटर व नल चोरी कर लिया है जिनकी कीमत 80 हजार रूपये है।

# स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने अजब पुर फ्लाई ओवर के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से तीन ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम आर्यन प्रजापति पुत्र गोविन्द सिंह प्रजापति निवासी दीपनगर बताया। वहीं कोतवाली पुलिस ने मद्रासी कालोनी के पास से एक व्यक्ति को 8 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम बुद्ध सिंह उर्फ सोनू पुत्र मन्सूरिया निवासी रेस्ट कैम्प बताया।

# कपड़े की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। देर रात एक कपड़े की दुकान में अचानक आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि इस दौरान आग से लाखों का नुकसान होने की बात कही जा रही है।

आग लगने का यह मामला रुद्रपुर के शिमला बहादुर वार्ड नंबर-1 बाजार स्थित एक दुकान का है। बताया जा रहा है कि बीती आधी रात को यहां दुकान में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। राह चलते लोगों ने शटर तोड़कर आग को बुझाने की कोशिश की। सूचना पाकर दुकान स्वामी भी मौके पर पहुंचे और पानी की मोटर से आग बुझाने का प्रयास किया। दुकान स्वामी के अनुसार जूते और कपड़े का सामान लगभग तीन से चार लाख रुपए का था। वहीं सूचना पर पहुंची थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर आग बुझाने का काम किया। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मगर तब तक सारा सामान जलकर राख हो गया था।

अक्रान्समुद्रः प्रथमे विधर्मञ्जनयन्प्रजा भुवनस्य राजा।
वृषा पवित्रे अधि सानो अव्ये बृहत्सोमो वावृधे सुवान इन्दुः।।
(ऋग्वेद ९-९७-४०)

परमात्मा सभी प्राणियों और पदार्थों का स्वामी है। उससे ही सभी भूतों की उत्पत्ति, स्थिति, और संहार होता है। वह गुणों का समुद्र है। वह सभी जीवों का रक्षक और पालनकर्ता है। वह ही आनंद का प्रदाता है।

# विवाह प्रमाण पत्र का दुरुपयोग करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। विवाह प्रमाण पत्र का दुरूपयोग करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी शाहरूख साबरी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक सीधा-साधा व्यक्ति है, जो कि मूल रूप से देहरादून उत्तराखण्ड का निवासी है व जन्म से खुडबुडा महोल्ला निवास कर रहा है व पिछले कई वर्षो से देहरादून में एक रेस्टोरेन्ट चला रहा है जिस कारण दिनभर अपने निजि कार्यों में व्यस्त रहता हैं। उसका विवाह 12 जनवरी 2020 को अल्मास पुत्री ऐजाज अहमद निवासी- बहेड़ी, बरेली, उत्तर-प्रदेश के साथ हुआ था। जिसका पंजीकरण उपनिबंधक प्रथम देहरादून के समक्ष 04 मार्च 2020 को पंजीकृत है, जिसमें त्रुटिवश उसकी पत्नी अल्मास साबरी के स्थान पर केवल अल्मास अंकित हैं, जिसका सुधार कराने हेतु उसके पड़ोसी/जान-पहचान वाले शिवम उपाध्याय पुत्र सुनिल कुमार निवासी खुडबुडा महोल्ला देहरादून से एक दिन राह चलते मुलाकात हुई और उसने शिवम उपाध्याय को अधिवक्ता की ड्रेस मे देख शिवम उपाध्याय उक्त विवाह प्रमाण पत्र में सुधार कराने की बात कही तो शिवम उपाध्याय दो हजार रूपये की मांग कर 05 दिन में सुधार करने की बात कहीं जिस पर उसने दूसरे दिन विवाह प्रमाण पत्र की मूल प्रतिलिपि व अन्य दस्तावेजों के साथ दो हजार रूपये नगद रूप में शिवम उपाध्याय को अदा कर दिये। लगभग 02 माह बीत जाने पर भी उक्त संदर्भ में शिवम उपाध्याय द्वारा उसका काम नहीं कराया गया तो उसने शिवम उपाध्याय से दो हजार रूपये नगद व अपने सभी दस्तावेज वापस प्राप्त कर लिये। वह स्वयं 09 नवम्बर 2023 को उपनिबंधक प्रथम देहरादून के कार्यालय में उक्त विवाह प्रमाण पत्र में सुधार कराने हेतु सम्बन्धित दस्तावेज लेकर पहुंचा तो वहां कार्यालय से ज्ञात हुआ कि कुछ समय पूर्व उक्त विवाह प्रमाण पत्र उपजिलाधिकारी सदर देहरादून के अनुसार जांच हेतु इस कार्यालय में प्राप्त हुआ था जिस पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम अंकित था, वह इस सम्बन्ध में अगले दिन सुबह उप जिलाधिकारी सदर देहरादून के कार्यालय में गया और उक्त के सम्बन्ध में जांच-पड़ताल की तो पता चला कि उप जिलाधिकारी सदर देहरादून के समक्ष एक वाद सावित्री देवी बनाम राजन विचाराधीन हैं, जिसमें सावित्री देवी पत्नी सुनिल कुमार व अन्य द्वारा उसके उक्त विवाह प्रमाण पत्र को फर्जी रूप से तैयार कर राजन व निशा के विरूद्ध लाभ प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया गया। जिसकी जांच स्वयं उप जिलाधिकारी सदर देहरादून ने करायी व जांच में सावित्री देवी व अन्य द्वारा प्रस्तुत विवाह प्रमाण पत्र फर्जी एवं कूटरचित पाया गया।

# समिति ने जनता से की मतदान करने की अपील

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने जनता से 19 अप्रैल को अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए जनपद की जागरूक जनता से अपील की है कि वह 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव मे अधिक से अधिक संख्या में पोलिंग बूथ पर जाकर मतदान अवश्य करें। उन्होंने बताया कि समिति के पदाधिकारियों ने गोविंदगढ़, खुडबुडा, कांवली रोड, क्षेत्र में लोगों से जनसंपर्क कर मतदान करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि वोट देना प्रत्येक मतदाता का जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने ने जनता से अपील की कि वह 19 अप्रैल को अधिक से अधिक संख्या में मतदान को बिना किसी स्वार्थ के अपने विवेक से मत का प्रयोग करें।

# चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला कोतवाली पुलिस ने आर्यनगर जाने वाले रास्ते पर एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 205 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीप उर्फ संजू पुत्र दिलीप सिंह निवासी ओल्ड डालनवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने कंडोली के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अमनदीप पुत्र गुरमीत सिंह निवासी गुरू रोड पटेलनगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# दो किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान सहस्त्रधारा रोड पर एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो किलो 120 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम यशपाल पुत्र सत्यपाल निवासी पदमपुर कोटद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

# मारपीट में एक ही परिवार के पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंजू ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले समर सिंह उसके बेटे मोहन, वेदप्रकाश पुत्री हेमलता व पत्नी रेखा उनके घर में घुस आये और उसके पति के साथ गाली गलौच करने लगे। उन्होंने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उनके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो वह उनको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# केले से जुड़े कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई

केला फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों से समृद्ध माना जाता है जो सेहत को ढेरों लाभ पहुंचाते हैं। फिर भी कई लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करने से हिचकिचाते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि उनके मन में इस फल से जुड़े कई भ्रम हैं जिन्हें वे सच मानते हैं, लेकिन इनकी सच्चाई कुछ और ही है। आइए आज हम आपको केले से जुड़े कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई बताते हैं।

भ्रम- मधुमेह रोगियों को केला नहीं खाना चाहिए

यह सिर्फ एक भ्रम है कि मधुमेह रोगियों को केला नहीं खाना चाहिए। असल में यह फल मधुमेह रोगियों के लिए सुरक्षित है क्योंकि इसमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। बता दें कि केले में फाइबर, स्टार्च, कई विटामिन्स, खनिज, फाइटोकेमिकल्स और एंटी-ऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो मधुमेह रोगियों के लिए लाभकारी होते हैं।

भ्रम- केले की मिठास सेहत को नुकसान पहुंचाती है

अगर आप इस वजह से केले का सेवन नहीं करते हैं कि इसमें बहुत अधिक मिठास होती है जो सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है तो आपको बता दें कि यह सिर्फ एक भ्रम है। सच बात तो यह है कि केले में फ्रुक्टोज और विटामिन-क्की भरपूर मात्रा शामिल होती है। ये ऐसे पोषक तत्व हैं जो प्राकृतिक चीनी का एक अच्छा स्रोत माने जाते हैं और इनसे सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता।

भ्रम- केले के सेवन से वजन बढ़ता है

कई लोग इस बात को सच मानकर केले का सेवन नहीं करते हैं कि इससे उनका वजन बढ़ेगा, जबकि इसकी सच्चाई कुछ अलग ही है। वास्तविकता में यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप केले का सेवन किस तरह से करते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप केले का शेक बनाने के लिए उसके साथ ढेर सारी चीनी और आईसक्रीम का इस्तेमाल करेंगे तो फिर आपका वजन बढ़ना लाजिमी है। केवल केले के सेवन से वजन नहीं बढ़ता।

भ्रम- उच्च रक्तचाप से ग्रसित लोगों के लिए केले का सेवन नुकसानदायक होता है यह भी सिर्फ एक भ्रम के अलावा और कुछ नहीं है कि उच्च रक्तचाप से ग्रसित लोगों के लिए केले का सेवन नुकसानदायक होता है। सच बात तो यह है कि केला विटामिन-6, खनिज, पोटैशियम और फाइबर का एक अच्छा स्रोत है जो उच्च रक्तचाप रोगियों के लिए लाभदायक होते हैं। इसके अलावा केले में कोलेस्ट्रॉल और बैड फैट नहीं होता है, इसलिए केले का सेवन उच्च रक्तचाप से ग्रसित लोगों के लिए सुरक्षित है।

# ...इस उपाय से करें पुरानी जींस को एकदम नए जैसा

पुरानी जींस को कई बार लोग या तो फेंक देते हैं या किसी को दे देते हैं। लेकिन यह बहुत कम लोग जानते हैं कि इसे आप वापस से नए जैसी बना सकते हैं।

घर में रखी हर एक चीज का हम कहीं ना कहीं किसी भी काम में इस्तेमाल कर ही लेते हैं। चाहे वह चीज कितनी भी पुरानी क्यों ना हो, हम उसे एक नया मोड़ दे देते हैं। साथ हि हमारे पहने हुए कपड़े एक समय के बाद खराब होने लगते हैं या उनका रंग उड़ जाता है। खासकर जींस बेहद जल्दी पुरानी होने लगती है। ऐसे में कुछ लोग इसे फेंक देते हैं या किसी को दे देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं पुरानी जींस को भी नया किया जा सकता है? अगर नहीं तो हम आपको कुछ आसान टिप्स के बारे में बताएंगे जिन्हें फॉलो कर आप पुरानी जींस को नई जींस बना सकते हैं।

पुरानी जींस को नया बनाने के लिए सबसे पहले आपको जींस की कलर पर ध्यान देना होगा अगर आपको डार्क ब्लैक जींस का कलर नया करना है तो सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी डालें इसके बाद इसमें डाई कलर और आधा चम्मच नमक मिला लें। इसे अच्छी तरह से घोल लें।

फिर पुरानी जींस को इस घोल में अच्छी तरह मिला ले जिससे कलर हर जगह लग जाए। जींस को घोल के अंदर कम से कम ३० मिनट तक रखना होगा। ३० मिनट बाद जींस को निकाल कर निचोड़ लें। फिर एक बार इसे साफ पानी से धोकर सूखने के लिए डाल दें। ध्यान रहे जब भी आप जींस को सुखाएं, तो धूप वाली जगह पर इसे ना सुखाएं। हमेशा छाव मे ही सुखाएं। ध्यान रहें जींस को कलर करते वक्त सावधानी से इन टिप्स को फॉलो करें।

इन उपायों को कर आप आसानी से अपनी पुरानी जींस को वापस से इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही यह आपके पैसों को बचाने में भी काफी मदद करेगी। आप नई जींस लाने के बदले उसी पैसों से कोई दूसरे कपड़े खरीद सकते हैं। इससे आपकी बचत होने के साथ कपड़ों का कलेक्शन भी बढ़ेगा।( आरएनएस)

# क्या आप भी अपने किचन में इस्तेमाल करती हैं माइक्रोवेव ?

आमतौर पर मॉर्डन किचन में माइक्रोवेव का होना कंपल्सरी माना जाता है। इसमें खाना बनाना, खाना गर्म करना फास्ट होता है और मेहनत भी कम लगता है लेकिन क्या आपको पता है कि यह इलेक्ट्रिक गजट दरअसल आपके किचन को जितना मॉडर्न बनाता है आपके परिवार की सेहत के लिए यह उतना ही नुकसानदेह है! जी हां, मेडिकल डेली में छपी एक रिपोर्ट में जाने माने फिजीशियन डॉ। जोसेफ मोरक्योला का कहना है कि दरअसल जब हम अपने पोषक तत्वों से भरे भोजन को माइक्रोवेव में डालते हैं तो इलेक्टिक हीट इन्हें 'डेड फूड' में बदल देते हैं। माइक्रोवेव में जाते ही इसमें मौजूद वॉटर मॉलेक्यूल्स रैपिडली बाउंस करते हैं जिससे तेजी से खाना गर्म होता है। इस प्रकिया से भोजन के पोषक तत्वों का स्ट्रक्चर चेंज हो जाता है और इसके सारे न्यूट्रिशन हानिकारक तत्वों में बन जाते हैं।

कई शोधों में यह बात भी सामने आई है कि माइक्रोवेव ओवन के रेगुलर इस्तेमाल से बॉडी की इम्यूनिटी कम हो जाती है। अगर प्रेगनेंट लेडी इसमें गर्म किए गए भोजन का सेवन करे तो होने वाले बच्चे में बाई बर्थ प्रॉब्लम्स भी हो सकता है। इसके अलावा, माइक्रोवेव के लगातार प्रयोग से कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। यही नहीं, इसके प्रयोग से कई लोगों में हाई ब्लड प्रेशर की भी शिकायत देखने को मिली है।

-जब आप किसी भोजन को प्लास्टिक में रखकर गर्म करते हैं तो यह भोजन में कार्सिनोजेंस पैदा कर देता है जो सेहत के लिए बहुत ही नुकसानदेह है।

-माइक्रोवेव के हीट से भोजन में बीपीए, पॉलिथीलीन टर्पथेलेट,बेन्जेन जैसे कई टॉक्सिक कैमिकल पैदा हो जाते हैं।

-रशियन शोध में पाया गया कि इसमें दूध और भोजन को गर्म करने से आपके रेड ब्लड सेल कम हो जाते हैं और वाइट ब्लड सेल्स बढ जाते हैं।

# बड़ी टेक कंपनियों की परीक्षा

डिजिटल मार्केट अधिनियम (डीएमए) के प्रवर्तन के कुछ सप्ताह बाद यूरोपीय आयोग ने गूगल, मेटा, एमेजॉन और ऐपल की जांच शुरू की है। यह जांच निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी डिजिटल मार्केट तैयार करने के लिए जरूरी अहम सिद्धांतों का पालन नहीं करने के आरोपों के कारण की जा रही है। ये जांच किसी न किसी रूप में ऐतिहासिक घटना साबित होगी क्योंकि जिन कंपनियों की जांच की जा रही है वे वैश्विक स्तर पर दबदबा रखने वाली कंपनियां हैं।

आयोग खासतौर पर अल्फाबेट के उन नियमों पर गौर कर रहा है जो गूगल प्ले के संचालन तथा गूगल सर्च की खुद को वरीयता देने तथा ऐप स्टोर में ऐपल के संचालन के साथ-साथ सफारी के लिए स्क्रीन के चयन तथा मेटा के 'भुगतान या सहमति मॉडल' पर गौर कर रहा है। इसके अलावा आयोग ने वैकल्पिक ऐप स्टोरों के लिए ऐपल के नए शुल्क ढांचे तथा एमेजॉन की रैंकिंग व्यवस्था को लेकर भी जांच आरंभ की है।

डीएमए ने बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को 'गेटकीपर' की अर्हता देने के लिए एक खास लक्ष्य मानक तय किया है। गेटकीपर की आर्थिक स्थिति मजबूत होनी चाहिए, उसका बाजार पर अच्छा खासा असर होना चाहिए और उसे यूरोपीय संघ के कई देशों में सक्रिय होना चाहिए।

उसे एक मजबूत मध्यवर्ती होना चाहिए, उसे कई तरह के व्यापारों में व्यापक उपयोगकर्ताओं से संबद्ध होना चाहिए और उसे बीते तीन वित्त वर्षों के दौरान इन सभी मानकों पर खरा होना चाहिए। अल्फाबेट, एमेजॉन, ऐपल, बाइटडांस, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट छह वैश्विक दिग्गज कंपनियां हैं जिन्हें गेटकीपर के रूप में तैयार किया गया है। डीएमए ने गेटकीपरों से मांग की थी कि वे उसके नियमों का पालन सुनिश्चित करें। आयोग का मानना है कि अल्फाबेट और ऐपल के उपाय वित्तीय शुल्कों समेत विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध और सीमाएं लगाने वाले हैं जो डेवलपरों की स्वतंत्र रूप से संचार और पेशकश को बढ़ावा देने तथा सीधे अनुबंध समाप्त करने की क्षमता को बाधित करते हैं।

आयोग यह जांच कर रहा है कि गूगल सर्च जो गूगल शॉपिंग, गूगल फ्लाइट, गूगल होटल आदि को प्रमुखता से दिखाता है, क्या वह प्रतिद्वंद्वी सेवाओं पर खुद को प्राथमिकता देता है? वह ऐपल के मामले में इस बात की भी जांच कर रहा है कि क्या वह उपयोगकर्ताओं को आसानी से सॉफ्टवेयर हटाने देता है, आईओएस की डिफॉल्ट सेटिंग बदलने देता है और उपयोगकर्ताओं को अपनी पसंद की स्क्रीन चुनने देता है जो उन्हें यह इजाजत देता है कि वे अपने आईफोन पर वैकल्पिक ब्राउजर या सर्च इंजन का इस्तेमाल कर सकें।

मेटा के मामले में आयोग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या यूरोपीय संघ के उपयोगकर्ताओं के लिए हाल ही में शुरू किया गया 'भुगतान या सहमति' मॉडल डीएमए का अनुपालन करता है जिसके लिए गेटकीपरों को उपयोगकर्ताओं की सहमति पाने की जरूरत होती है, तब जबकि वे विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं पर निजी डेटा को संयुक्त रूप से इस्तेमाल करना चाहते हों या उनका परस्पर इस्तेमाल करना चाहते हों। मेटा का यह द्वैत मॉडल शायद सहमति नहीं देने वालों को सही विकल्प नहीं देता हो। एमेजॉन अपने निजी ब्रांड को तरजीह देता साबित हो सकता है और ऐपल का नया शुल्क ढांचा तथा वैकल्पिक ऐप स्टोरों के लिए अन्य नियम एवं शर्तें डीएमए दायित्वों का विरोधाभासी हो सकता है।

आयोग कंपनी के वैश्विक कारोबार के 10 फीसदी तक का जुर्माना लगा सकता है और उल्लंघन दोहराए जाने पर यह 20 फीसदी तक हो सकता है। अतिरंजित हालात में वह गेटकीपरों को कारोबार को बेचने या संबंधित सेवाओं का अधिग्रहण रोकने की इजाजत दे सकता है। डीएमए बड़े डिजिटल एकाधिकार के लिए एक खरी जांच की तरह है। अक्सर इन्हें 'स्वाभाविक' एकाधिकार माना जाता है जहां उपयोगकर्ता एक ही सर्च इंजन, ऑनलाइन स्टोर या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में रुचि लेता है। एक बार जब प्लेटफॉर्म बड़ा हो जाता है तो इसे नेटवर्क प्रभाव का लाभ मिलता है। लेकिन रसूखदार कंपनियों का प्रतिस्पर्धा विरोधी रुख भी प्रतिस्पर्धा को दबाता है।

यूरोपीय संघ एक बड़ा और आकर्षक बाजार है और बड़ी से बड़ी कंपनियों को डीएमए के अनुपालन के लिए विवश कर सकता है। जांच के नतीजों के आधार पर डीएमए अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे ही प्रावधान ला सकता है। इससे सुनिश्चित होने वाली प्रतिस्पर्धा से नवाचार बढ़ेगा जो उपभोक्ताओं और उद्यमियों दोनों के लिए लाभदायक होगा। (आरएनएस)


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# गर्मियों में गंभीर हो जाती है माइग्रेन की स्थिति, जानिए इसके कारण और बचाव

माइग्रेन एक अहसनीय सिरदर्द है, जिसमें सिर के दोनों ओर या एक तरफ रुक-रुककर भयानक दर्द होता है।दरअसल, माइग्रेन के समय दिमाग में खून का संचार बढ़ जाता है, जिस वजह से तेज दर्द होता है।इस बीमारी के कई कारक हो सकते हैं, लेकिन गर्मी का मौसम बीमारी को बहुत ज्यादा बढ़ाता है।आइए आज बढ़ते तापमान के दौरान माइग्रेन का दर्द बढने के पीछे के कारण और बचाव के तरीकों के बारे में जानते हैं।

डिहाइड्रेशन

गर्मी के दौरान माइग्रेन के लिए पहले ट्रिगर में से एक डिहाइड्रेशन है।गर्मी के कारण पसीना अधिक आता है, जिससे शरीर में तरल पदार्थों की कमी हो जाती है।डिहाइड्रेशन से खून की मात्रा कम हो सकती है और इलेक्ट्रोलाइट्स के स्तर में परिवर्तन हो सकता है। ये दोनों माइग्रेन को ट्रिगर कर सकते हैं या स्थिति को बिगाड़ सकते हैं।यहां जानिए डिहाइड्रेशन से बचाने वाले घरेलू नुस्खे।

आर्द्रता में बढ़ोतरी

गर्मियों के दौरान बढ़ती आर्द्रता (नम हवा) का स्तर भी माइग्रेन के लक्षणों को बढ़ा सकता है।नम हवा के कारण शरीर के लिए तापमान को नियंत्रित करना अधिक कठिन हो जाता है, जिससे माइग्रेन के रोगियों की तकलीफ बढ़ सकती है।इसके अतिरिक्त इससे डिहाइड्रेशन भी हो सकता है और यह भी माइग्रेन रोगियों के लिए नुकसानदायक है।यहां जानिए सिरदर्द को दूर करने वाले पेय पदार्थ।

खराब वायु गुणवत्ता

प्रदूषण, परागकण और एलर्जी जैसे कारकों के कारण गर्मियों में वायु गुणवत्ता खराब हो सकती है।खराब वायु गुणवत्ता श्वसन प्रणाली को परेशान कर सकती है और सूजन पैदा कर सकती है, जिससे माइग्रेन का दौरा पड़ सकता है।बता दें कि वायु गुणवत्ता सूचकांक 201- 300 स्तर को खराब और 301-400 तक को बहुत खराब माना जाता है।इस वातावरण स्थिति से माइग्रेन रोगियों को बचना चाहिए।

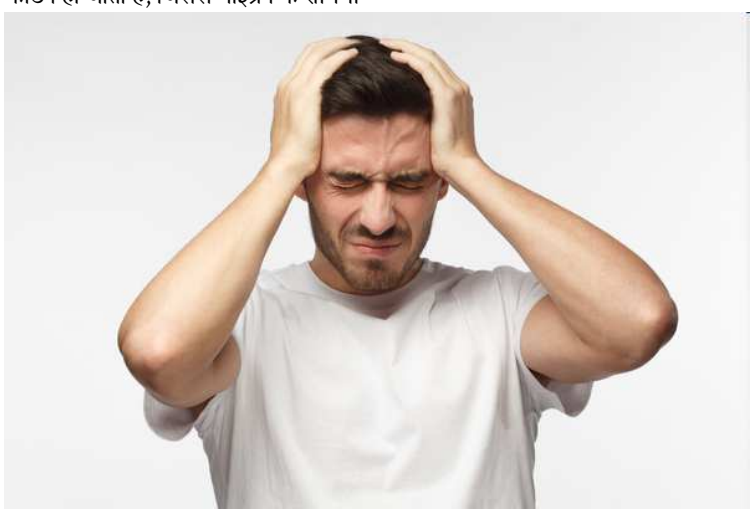

सूरज की रोशनी के संपर्क में आना

तेज धूप के संपर्क में आना कुछ माइग्रेन पीड़ितों को ट्रिगर कर सकता है।सूरज की रोशनी से आंखों पर दबाव पड़ सकता है, जिससे तनाव वाला सिरदर्द हो सकता है या अगर आपको पहले से माइग्रेन है तो आपका दर्द बढ़ सकता है।इसके अतिरिक्त गर्मियों में खराब दिनचर्या और गलत खान-पान भी माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है क्योंकि इससे तनाव सहित हार्मोनल बदलाव होता है।

गर्मियों में माइग्रेन के रोगी जरूर बरतें ये सावधानियां

माइग्रेन से ग्रस्त व्यक्तियों को रोजाना पर्याप्त मात्रा में स्वास्थ्यवर्धक तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए।इसके अलावा तेज धूप में जाने से बचें और अगर दोपहर में कहीं जाना बहुत जरूरी है तो अपने सिर को ढककर ही घर से बाहर निकलें।नियमित रूप से मेडिटेशन या फिर प्राणायाम का अभ्यास करें।ताकि दिमाग को आराम मिले।साथ ही नींद की गुणवत्ता को प्राथमिकता देना माइग्रेन की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। (आरएनएस)

## शब्द सामर्थ्य -125

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

**ऊपर से नीचे**

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

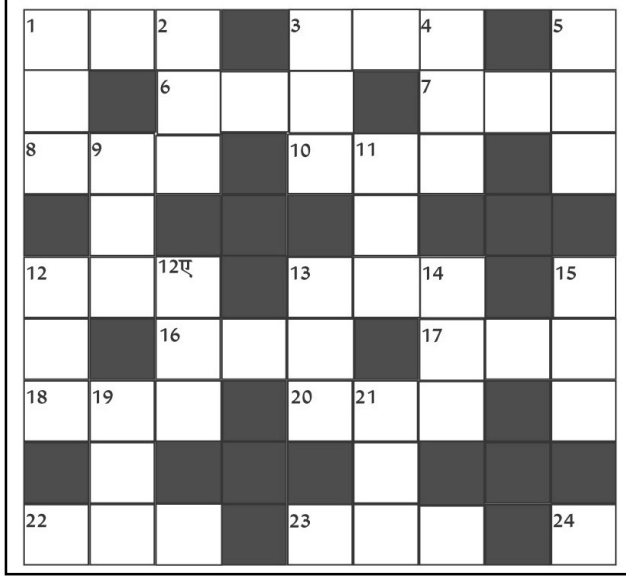

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 124 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प | सं | द | | सिं | हा | स | न | |
| ख | | म | ज | दू | र | | का | म |
| वा | द | क | | र | | सं | ब | ल |
| ड़ | | ल | ज्जा | | म | स्का | | य |
| | बा | | | बि | हा | र | | |
| सु | धा | क | र | | न | | | औ |
| रं | | म | | कि | ता | ब | | स |
| ग | | अ | र | सा | | हु | ज्ज | त |
| | श | क्ल | | न | मि | त | | न |

# मानुषी छिल्लर ने ब्लैक आउटफिट में ढाया कहर

मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वे ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में मानुषी ने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं. उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और लाइट मेकअप किया है. तस्वीरों में उनका पोजिंग स्टाइल भी काफी कातिलाना है.मानुषी की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है. इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। साथ ही उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपने लुक्स से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचना बखूबी जानती हैं। वहीं उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस भी अक्सर मदहोश हो जाते हैं। मानुषी छिल्लर जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर को ये फोटोज पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक हजारों में लाइक्स आ गए हैं। फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं. मानुषी छिल्लर जल्द ही अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे.

# वीकेंड पर आडु जीवितम्- द गोट लाइफ ने बटोरे खूब नोट!

पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर फिल्म आडु जीवितम्- द गोट लाइफ 28 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म ऑडियंस को पसंद आ रही है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार भी कर रही है. सच्ची घटानाओं पर आधारित ये फिल्म रिलीज के तीन दिनों में ही 20 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक आडु जीवितम्- द गोट लाइफ ने पहले दिन 7.6 करोड़ की ओपनिंग ली थी. दूसरे दिन फिल्म ने 6.25 करोड़ रुपए कमाए. तीसरे दिन फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई और इसने 7.75 करोड़ का कारोबार किया. इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर आडु जीवितम्- द गोट लाइफ ने तीन दिनों में कुल 21.6 करोड़ रुपए का शानदार कलेक्शन किया है.

आडु जीवितम्- द गोट लाइफ को दुनिया भर में सराहा जा रहा है. फिल्म वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा परफॉर्म कर रही है. यही वजह है कि महज दो दिनों में फिल्म ने वर्ल्डवाइड 30.50 करोड़ रुपए की दमदार कमाई की है. आडु जीवितम्- द गोट लाइफ एक मलयालम फिल्म है जिसे कन्नड़, तमिल, तेलुगु और हिंदी में भी रिलीज किया गया है.

आडु जीवितम्- द गोट लाइफ की कहानी की बात करें तो ये इसी नाम के नॉवेल पर बेस्ड है जिसके राइटर बेन्यामिन हैं. इसमें एक भारतीय प्रवासी कामगार नजीब मुहम्मद की कहानी दिखाई गई है. नजीब, जो पैसे कमाने के लिए सऊदी अरब जाता है, लेकिन वह खुद को रेगिस्तान के बीच में बकरियां चराते हुए एक गुलाम की तरह जिंदगी गुजारता हुआ पाता है.

# एयरहोस्टेस बन करीना-कृति-तब्बू ने किया वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कब्जा

करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू स्टारर फिल्म क्रू दुनिया भर में ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है. फिल्म 29 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और दर्शकों को काफी पसंद आ रही है. क्रू ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बल्कि वर्ल्डवाइड भी धुआंधार कारोबार कर रही है. महज दो दिनों में फिल्म ने 40 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है.

क्रू की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है. जिसके मुताबिक क्रू ने पहले दिन दुनिया भर में 20.07 करोड़ रुपए कमाए थे तो वहीं दूसरे दिन 21.06 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है. यानी वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के दो दिनों का कुल कलेक्शन 41.13 करोड़ रुपए हो गया है.

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी क्रू को ऑडियंस का भरपूर प्यार मिल रहा है. यही वजह है कि फिल्म ने दो दिनों में 18.85 करोड़ रुपए की कमाई की है. राजेश कृष्णन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स, एकेएफसी और कम्युनिकेशन नेटवर्क प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले अनिल कपूर, शोभा कपूर, एकता कपूर और रिया कपूर ने प्रोड्यूस किया है.

फिल्म में करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू लीड रोल में हैं तो वहीं कपिल शर्मा, दिलजीत दोसांझ और खेसारी लाल यादव का भी अहम किरदार है.

करीना कपूर, कृति सेनन और तब्बू ने क्रू में एयरहोस्टेस का किरदार निभाया है. ऐसी एयरहोस्टेसेस जो अपनी मिडल क्लास लाइफ से परेशान हैं और जल्दी से जल्दी अमीर होने के ख्वाब देख रही हैं. लेकिन उनकी ये उम्मीद पूरी होती दिखाई नहीं दे रही और तभी उनके हाथ लगते हैं सोने के बिस्किट, जो उनकी जिंदगी ही बदल देते हैं. (आरएनएस)

# तृप्ति डिमरी का भूल भुलैया 3 से फर्स्ट लुक किया रिवील

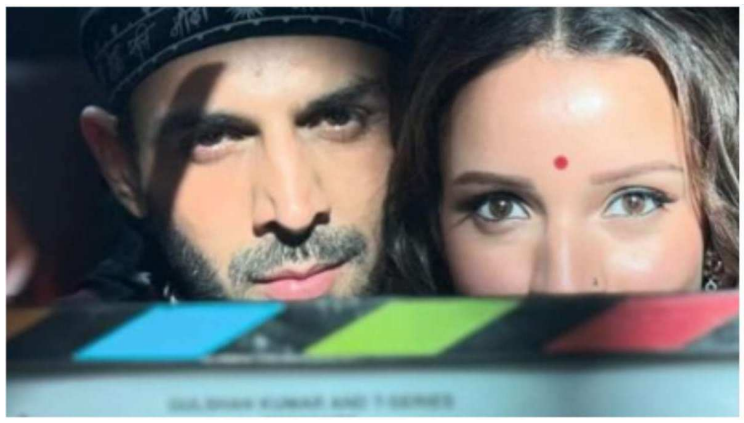

बॉलीवुड के चॉकलेटी एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया 3 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हर हफ्ते इस फिल्म को लेकर नए-नए अपडेट्स सामने आते रहते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। कार्तिक आर्यन ने फैंस को गुड न्यूज दी है। एक्टर ने बताया कि फिल्म के फर्स्ट शैड्यूल की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भूल भुलैया 3 के सेट से एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में कार्तिक आर्यन और एनिमल एक्ट्रेस तृप्ति क्लैप बोर्ड के पिछे खड़े नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों ही एक्टर्स की आधी- आधी शक्ल दिखाई दे रही हैं। बात करें इस तस्वीर में लीड एक्टर्स के लुक की तो कार्तिक अपने रूह बाबा वाले लुक में नजर आ रहे है।

सिर पर कपड़ा बाधें, हाथों में माला और अंगूठी के साथ उन्होंने क्लैप बोर्ड को पकड़ा हुआ है। वहीं तृप्ति आखों मे काजल और माथे पर बिंदी लगाई हुए ग्लोविंग लुक में नजर आ रही हैं।

तस्वीर के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा है- टिंग टिंग टिंग टिडिंग टिंग टिंग॥ हमने भूल भुलैया का फर्स्ट शैड्यूल को रैप अप कर दिया है। शेड्यूल के बीच का ये छोटा सा ब्रेक मुझे काफी एक्साइटेड कर रहा है। इसी के साथ एक्टर ने लिखा कि रूह बाबा कि टोपी में इस बार एक अलग जादू है।

बता दें इस फिल्म का डायरेक्शन अनीस बज्मी कर रहे हैं। इस फिल्म को टी सीरीज प्रोड्यूस कर रही है।

इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी के साथ साथ माधुरी दीक्षित और भूल भुलैया की ओरिजिनल भूतनी विद्या बालन भी लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म के लिए अपनी फीस डबल कर दी है। इस फिल्म के लिए वो 80 लाख रुपए फीस ले रही हैं। संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल के लिए तृप्ति को 40 लाख रुपये फीस दी गई थी।

# द फैमिली स्टार: विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की जमी जोड़ी

विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर अपनी फिल्म द फैमिली स्टार की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों को वे एक पारिवारिक मनोरंजन देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वहीं के पोस्टर और टीजर ने हाल ही में फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया था। वहीं, अब इस उत्साह को चरम पर ले जाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने आखिरकार द फैमिली स्टार का दमदार ट्रेलर जारी कर दिया है।

फिल्म का ट्रेलर 2 मिनट और 26 सेकंड लंबा है। ट्रेलर में कई तरह की भावनाओं को दिखाया गया है, जो एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का डोज देती है। ट्रेलर में विजय को एक पूर्ण पारिवारिक व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है और मृणाल उनके जीवन में एक नए किरायेदार के रूप में आती हैं, फिर जल्द ही परिवार की तरह बन जाती हैं। फिल्म में रोमांस, ड्रामा, एक्शन और कॉमेडी का भी डोज है। वहीं, विजय और मृणाल के बीच मस्ती और प्यार भरी नोंक-झोंक भी देखने को मिली। वहीं ट्रेलर के अंत में मृणाल, विजय को तप्पड़ मारती हुई नजर आती हैं। 2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म गीता गोविंदम के बाद विजय देवरकोंडा और निर्देशक परशुराम पेटला द फैमिली स्टार में दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म को एक एक्शन एंटरटेनर माना जा रहा है, जिसमें विजय और मृणाल के अलावा जगपति बाबू, अच्युत कुमार, अभिनय, वासुकी, रोहिणी हट्टंगडी और रवि बाबू, दिव्यांश कौशिक, अजय घोष और कई अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। द फैमिली स्टार को वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा बनाया जा रहा है, वहीं गोपी सुंदर ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु और हिंदी तीन भाषाओं में रिलीज होगी। द फैमिली स्टार पांच अप्रैल को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। (आरएनएस)

# बैंक में बंधक रखी सम्पत्ति को बेचने पर पति पत्नी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बैंक में बंधक रखी सम्पत्ति को बेचकर धोखाधडी करने पर पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गढी कैण्ट निवासी रेनू थापा ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कैनाल रोड क्षेत्र में सम्पत्ति क्रय करने इच्छुक थी। वर्ष 2011 में गिरीश गुप्ता निवासी वैली एनक्लेव, कैनाल रोड, जाखन, देहरादून उससे सम्पर्क कर उसे अपनी भूमि स्थित जिसमें अपूर्ण भवन निर्मित था. स्थित जाखन, दिखायी तथा आश्वस्त किया कि उक्त सम्पत्ति हर प्रकार के भार, बंधन, वाद-विवाद, ऋण, आदि से मुक्त है तथा उसे बेचने का उसे पूर्ण अधिकार है।

उक्त आश्वासनों एवं कथनों के आधार पर उसने व गिरीश गुप्ता व श्रीमती गरिमा गुप्ता, पत्नी गिरीश गुप्ता के मध्य उसके द्वारा तय राशि के बदले खरीदना तय हुआ व श्रीमती गरिमा गुप्ता से मूल्यवान प्रतिफल के बदले पंजीकृत विक्रय पत्र 14 नवम्बर 2011 के माध्यम से उसने उक्त सम्पत्ति क्रय की। तभी से उक्त सम्पत्ति पर उसका स्वामित्व व चला आ रहा है व नगर निगम, देहरादून के रिकॉर्ड में उसका नाम बतौर स्वामी विधिवत दर्ज है। वह उक्त विक्रय पत्र प्राप्ति से पहले से अपनी पति व परिवार के साथ दुबई (यूएई) में रह रही है तथा वहां कार्य करती रही है। अचानक माह मार्च-2024 के प्रारम्भ में उसको उसके ससुर व मुख्तारेआम विरेन्द्र कुमार थापा द्वारा सूचित किया गया कि उक्त सम्पत्ति पर कैनरा बैंक के अधिकारी आये थे तथा वे उक्त सम्पत्ति पर कथित कोई ऋण होने व उसकी वसूली हेतु कार्यवाही चलने की बात कह रहे हैं। वह अचम्भित रह गयी। उसने तुंरत व्यवस्था कर वह 28 मार्च 2024 को देहरादून आयी व उसने उक्त घटनाक्रम के सम्बन्ध में छानबीन की व कैनरा बैंक गई तो पता लगा कि गिरीश गुप्ता व श्रीमती गरिमा गुप्ता ने सम्पत्ति की आड में वर्ष 2008 में भारी ऋण प्राप्त किया गया था तथा उसका वर्तमान समय तक भी भुगतान नहीं किया गया है तथा काफी धनराशि उसपर बकाया है जिसके सम्बन्ध में बैंक द्वारा उक्त लोगों व उसकी सम्पत्ति की बाबत कार्यवाही की जा रही है। उसे सर्वप्रथम पता लगा कि गिरीश गुप्ता व श्रीमती गरिमा गुप्ता द्वारा सोची समझी योजना के तहत उससे धोखाधड़ी कर तथा उसे अधेरे में रख कर व सम्पत्ति पर प्राप्त ऋण व देनदारी की बातों को छिपाकर व उल्टा बताकर कि सम्पत्ति पूर्ण पाक व साफ है तथा हर प्रकार के भार-बन्धन रहन से मुक्त है उसको उक्त सम्पत्ति विक्रय की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# विकास और प्रतिष्ठा के आधार पर मतदान की संभावना

डा. रवीन्द्र अरजरिया

चुनावी काल की राजनैतिक सरगर्मियों के मध्य विदेशी ताकतों के व्दारा देश की आन्तरिक व्यवस्था पर टिप्पणियों का दौर प्रारम्भ हो गया है। दुनिया की व्यवस्था की स्वयंभू ठेकेदारी सम्हालने वाले भारत के स्वरूप को अपने ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे हैं। स्वाधीनता के बाद की इण्डिया का भारत के रूप में कायाकल्प होते ही अहंकार में डूबे हथियारों के विक्रेताओं के माथे पर बल पडने लगा है। कभी हमारी न्याय व्यवस्था को रेखांकित करने की कोशिशें होतीं हैं तो कभी आरोपियों की वकालत की जाने लगती है। जग जाहिर है कि दुनिया भर के जालसाज-भगोडों का कवच बनने वाले राष्ट्र हमेशा से ही अन्य देशों पर शिकंजा कसने के लिए दबाव बनाकर लाभ का अवसर तलाशते रहते हैं।

आतंकवाद को पर्दे के पीछे से सहयोग करके संसार में अस्थिरता पैदा करने वाले हथियारों के निर्यातक देश दूसरों के कन्धों पर बंदूक रखकर गोली चलने में माहिर है। ऐसे षडयंत्रकारी भूभाग वर्तमान में भारत की नीतियों, व्यवस्था और विकास के कारण आन्तरिक रूप से व्यथित हैं। स्वाभिमान के शिखर की ओर अग्रसर होने वाले भारत में आत्मविश्वास का सूर्य चमकने लगा है। देश के साथ वैमनुष्यता रखने वालों के हाथों में कटोरे आते जा रहे हैं। वहां की अभाव भरी जिन्दगियों ने आन्तरिक विद्रोह की राह पकड ली है।

चीन की चालों में फंसे कई देशों की कराह निकलने लगी है। वे दिवालिया होने होने की कगार पर पहुंच गये हैं। ऐसे में विश्वगुरु के सिंहासन की ओर बढते भारत के कदमों पर सकारात्मक राष्ट्रों व्दारा पंखुडियां बिछाने, प्रोटोकाल तोडकर वहां के राष्ट्राध्यक्षों व्दारा अगवानी करने तथा सर्वोच्च सम्मान देने से आतंक को संरक्षकों के सीने पर सांप लोटने लगे हैं। मुस्लिम राष्ट्रों में भी साम्प्रदायिक सौहार्द स्थापित करने की दिशा में भारत के साथ कदमताल करने के संकेत दे दिये हैं। वसुधैव कुटुम्ब कम की अवधारणा तले विश्व विरादरी जमा होने लगी है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः के अनुष्ठानिक संकल्प दोहराये जाने लगे हैं। वर्तमान भारतवर्ष का ऊर्जा चक्र विश्व संघर्षों पर पूर्णविराम लगाने लगा है। वर्तमान के लोकसभा के चुनावी काल में ही रूस और यूक्रेन जैसे राष्ट्रों ने एक साथ भारत को आमंत्रित किया है। दौनों पक्षों के विश्वास है कि भारत की पहल पर ही विश्व शान्ति सम्भव है। दूसरों के मामलों में चौधरी बनने के मंसूबे पालने वालों को मुंहतोड जवाब मिलते ही उनके सिपाहसालार मासूसी के दलदल में डूबने लगे हैं। आर्थिक अपराध, सामाजिक अपराध, संवैधानिक अपराध, मानवीय अपराध के पुराधाओं को सलाखों की सौगात मिलते ही उनके संरक्षक बौखला उठे। देश की स्वतंत्र संस्थाओं की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह अंकित करके वे अपने कलेजे को ठंडा करने की कोशिश में हैं।

संयुक्त राष्ट्र की पत्रकार वार्ता में भारत के आन्तरिक मुद्दों पर बंगलादेशी पत्रकार से प्रश्न उठवाने वाले एक तीर में दो निशाने करना चाहते थे। अमेरिका, जर्मनी के व्दारा भारत के आन्तरिक मुद्दों पर ज्ञान देने की श्रंखला को संयुक्त राष्ट्र संघ तक पहुंचने की कोशिश के साथ-साथ भारत-बंगलादेश की दोस्ती को संदेह के दायरे में लाने का लक्ष्य भी शामिल था।

आश्चर्य होता है कि बंगलादेशी पत्रकार व्दारा किन्हीं खास कारणों से पूछे गये प्रश्न को हमारे देश के अनेक मीडिया हाउस स्वयं की सुर्खियां बनाने में जुट गये। दूसरों की सोच को समर्थन देने के पीछे की मंशा को देश हित की पहल नहीं कहा जा सकता। संस्थान विशेष का पत्रकार अपने नियुक्तकर्ता के सिध्दान्तों का अनुशरण करता है, उनकी नीतियों के अनुरूप प्रश्न करता है और वहीं प्रकाशित-प्रसारित भी करता है। यदि कोई अन्य संस्थान उसी प्रश्न को उठाता है तो निश्चय ही उसकी सोच भी प्रश्नकर्ता की सोच से सहमत होगी। ऐसे में राष्ट्रहित, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीयता पर ही प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं।

इन दिनों हाथों में हरा झंडा थामकर लाल सलाम करने वालों के षडयंत्र उजागर होने लगे हैं जिन्हें दबाने हेतु काले लबादा का सहारा लिया जाने लगा है। दबाव की राजनैतिक चालों से देश के वातावरण में अराजकता फैलाने के प्रयास एक बार फिर तेज कर दिये गये हैं। मीर जाफर को आदर्श मानने वाले स्वयं के हित के लिए देश की अस्मिता को सौदा करने लगे। कभी निर्वाचन आयोग पर सवालिया प्रहार होते हैं तो कभी न्यायपालिका के क्रियाकलापों को संदेह की नजरों से देखा जाता है।

शिक्षा के मंदिरों में राजनैतिक अलाव जलाया जाने लगा। शिक्षा माफियों की एक बडी जमात फर्जी अंकसूचियों के आधार पर असामाजिक तत्वों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिलाकर वहां के वातावरण को दूषित करने में लगी है। शिक्षा प्रदान करने वाले स्थानों में देश के टुकडे करने की कसमें दिलाई जाने लगीं हैं। राजनीति को पेशा बना चुके घरानों के स्वयंभू सुप्रीमो ऐसे लोगों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खडे हो जाते हैं। आज हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि जातियों के वोटों का ठेका लेने वाले लोग राजनैतिक दलों से सौदेबाजी करने में जुटे हैं।

समानता का राग अलापने वाले अब जातिगत विभेद पैदा करने हेतु षडयंत्र करने में जुट गये हैं। सम्प्रदायगत भय पैदा करने वाले कट्टरवादियों व्दारा देश के विभिन्न स्थानों पर अपने गुर्गों से आतंक फैलाने की कोशिशें कर रहे हैं। कहीं आईएसआईएस से धमकी दिलाई जा रही है तो कहीं आईएसआई के समर्थकों की चुनौतियां सामने आ रहीं हैं। रमजान के महीने में भी निरीहों के खून की होली खेलने वाले अब अल्लाह के पैगाम पर मुल्लाओं के तर्जुमा को यकीनी मानकर जन्नत की हूरों के सपने देखने लगे हैं। तर्जुमा करने वालों की संतानें खुशहाल देशों में अय्यासी भरी जिन्दगी जी रहीं हैं।

सुरक्षा के सात तालों में बंद होकर रहने वाले खुराफाती लोग ही दूसरों की औलादों को खुदा के नाम पर खुदकशी करने के लिए उकसा रहे हैं। दीन की तालीम के नाम पर अनेक संस्थानों में जेहाद की पढाई चल रही है। लोकसभा चुनाव में झूठी अफवाहों, मनगढन्त घटनाओं और उत्तेजनात्मक सामग्री परोसी जा रही है। वाट्सएप जैसे अनगिनत प्लेटफार्म निरंकुश होकर देश की गंगा-जमुनी संस्कृति को रेगस्तान बनाने पर तुले हैं। निजी समूहों के नाम पर बनाये जाने वाले अनेक ग्रुप में उत्तेजनात्मक सामग्री उडेली जा रही है। कानून की धज्जियां उडाने वाले कट्टरपंथियों के ग्रुप पर काले कोटवालों की दलीलें हावी हो जातीं हैं और काजल की कोठरी के निर्माण करने वाले ग्रुप के एडमिन न्यायालय की चौखट से बेदाग बच निकलते हैं। संविधान का यही लचीलापन राष्ट्रदोहियों के लिए कवच का काम करता है। धर्म के नाम पर बनाये गये अनेक संगठनों की शक्ति का उपयोग समाज हित में न होकर कट्टरता के नाम पर जुल्म करने के लिए हो रहा है। बचपन से ही कट्टरता का पाठ पढाने वालों को देश के ईमानदार नागरिकों के खून-पसीने की कमाई से पाला जा रहा है।

इसे नस्तनाबूत करने के लिए नागरिकों के मन में राष्ट्रीयता की भावना का प्रादुर्भाव नितांत आवश्यक है। वर्तमान हालातों को देखते हुए इस बार के लोकसभा चुनावों में विकास और प्रतिष्ठा के आधार पर मतदान की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

## सू- दोकू क्र.125

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 | | | | | 7 | |
| 9 | | | | 6 | | 3 | | 8 |
| | 7 | | 9 | | 5 | | 6 | |
| | | | | | | 1 | | 9 |
| 3 | | 8 | | 7 | | | 5 | |
| | 1 | | 3 | | 9 | | | 7 |
| | | 2 | | 8 | | 7 | | |
| | 8 | | | | 2 | | 4 | 3 |
| | | | 1 | | | | | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.124का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

# वैश्विक व्यापार और आशावाद

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वैश्विक व्यापार रिपोर्ट का मार्च संस्करण पिछले सप्ताह जारी किया गया। उसमें अनुमान जताया गया कि वर्ष 2023 में जहां वैश्विक व्यापार में एक लाख करोड़ डॉलर की कमी आई , वहीं यह भी कहा गया कि 2024 में यह रुझान बदल जाएगा।

अंकटाड ने इस दावे का समर्थन करते हुए कहा कि चालू कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में वस्तु एवं सेवा व्यापार में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस वृद्धि के कारकों में वैश्विक मुद्रास्फीति में कमी और वैश्विक वृद्धि की मजबूती शामिल हैं।

भारत के लिए यह अच्छी खबर है। घरेलू वृद्धि में व्यापार की हिस्सेदारी बढ़ाने की आवश्यकता है। कई निर्यात आधारित क्षेत्र बाहरी वृद्धि के रुझानों को लेकर खासे संवेदनशील हैं और आने वाले दिनों में बेहतर ऑर्डर बुक देखने को मिल सकती हैं।

गोल्डमैन सैक्स के एक हालिया विश्लेषण में कहा गया कि भारत से संचालित सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवा कंपनियों के राजस्व में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 9 से 10 फीसदी की वृद्धि देखने को मिल सकती है। ऐसा दबी हुई मांग और जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी नवाचारों की बदौलत हो सकता है।

वैश्विक व्यापार के समक्ष मौजूदा व्यापक जोखिमों को भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। अंकटाड कई जोखिमों को चिह्नित करता है, उनमें से कुछ पर भारतीय नीति निर्माताओं को सावधानीपूर्वक नजर रखनी चाहिए। 2024 के दौरान कुछ समय तक नौवहन मार्गों के बाधित बने रहने की आशंका है।

यमन में स्थित हूती विद्रोहियों द्वारा पोतों पर हुए हमलों में ज्यादा जानें भले नहीं गईं लेकिन उन्होंने लाल सागर से गुजरने वाले मार्ग का जोखिम और बीमा राशि दोनों में इजाफा कर दिया है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र से भूमध्यसागर की ओर होने वाले समुद्री व्यापार को प्रभावित कर रहा है। अंकटाड ने जिंस कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को भी एक संभावित समस्या के रूप में पेश किया।

दो वर्ष पहले रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण ने ईंधन बाजार में उथलपुथल मचा दी थी। इसने कई जिंसों की आपूर्ति श्रृंखला के लिए भी दिक्कत पैदा कर दी थी जिसमें कृषि जिंस शामिल थीं। युद्ध कच्चे माल की लागत और व्यापार को प्रभावित कर रहा है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

निश्चित तौर पर गत सप्ताह यह खबर भी थी कि अमेरिका ने रूसी तेल पहुंचाने वालों पर नए सिरे से प्रतिबंध लगाए हैं। इस बात ने भी भारतीय रिफाइनरी तक तेल की आपूर्ति में देरी की। इस तथा अन्य संघर्षों ने व्यापार नेटवर्क को प्रभावित किया है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

आखिर में अंकटाड ने भू-आर्थिकी को लेकर भी कुछ चिंताएं जताई हैं जो मोटे तौर पर आपस में जुड़ी हुई हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में चीन के दबदबे की चिंताओं के वशीभूत कंपनियां और सरकारें दोनों अलग-अलग स्तर पर कदम उठा रही हैं।

रिपोर्ट बताती है कि आपूर्ति श्रृंखलाएं लंबी हो रही हैं। एक ओर यह बात उन्हें गैर किफायती बना रही है और लागत बढ़ा रही है तो वहीं दूसरी ओर इससे भारत समेत कुछ देशों के लिए यह अवसर भी उत्पन्न हुआ है कि वे मूल्य श्रृंखला में अधिक प्रभावशाली बन सकें।

निश्चित तौर पर भारत सरकार के सेमीकंडक्टर, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़े कदमों के पीछे यही वजह है। परंतु अहम खनिजों पर व्यापार प्रतिबंधों जैसे संबद्ध विषयों से भी निपटना होगा।

आखिर में कई देशों में घरेलू सब्सिडी सही मायनों में एकदम गंभीर स्थिति निर्मित कर रही है। इन हालात में भारत प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएगा। ऐसे में यह अहम है कि हम अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ करीबी आर्थिक एकीकरण स्थापित करें ताकि इनके असर को कम किया जा सके।(आरएनएस)

# कांग्रेस सत्ता में आयी तो सरकारी कामों में ठेका प्रथा बंद करेगीः नैथानी

संवाददाता

देहरादून। पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आते ही सबसे पहले असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दुघर्टना बीमा तथा मुख्य सरकारी कामों में ठेका प्रथा बंद करेगी।

आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए नैथानी ने कहा कि केन्द्र सरकार में कैलेडर के अनुसार 30 लाख नौकरी व भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक को पूरी तरह से रोकने के लिए एक नीति लागू की जायेगी। गिग इकोनॉमी से जुडे मजदूरों के लिए स्वास्थ्य बीमा एवं पेंशन योजना तथा युवाओं के लिए

5000 करोड रूपये के स्टार्ट-अप कोष का गठन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रूपये तथा केन्द्र सरकार की भर्तियों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रवाधान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आशा, आंगनबाडी और मिड डे मील बनाने वाली महिलाओं के वेतन में केन्द्र का योगदान दुगना किया जायेगा। कामकाजी महिलाओं के लिए हास्टल की संख्या दो गुना तथा महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के लिए हर ग्राम पंचायत में एक अधिकार मैत्री की नियुक्ति की जायेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार मनरेगा श्रमिकों को प्रति दिन 400 रूपये कही मजदूरी तथा शहरी क्षेत्र के लिए रोजगार गारंटी अधिनियम तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दुघटना बीमा व मुख्य सरकारी कामों में ठेका प्रथा बंद करेगी। नैथानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछडा वर्ग को आरक्षण का हक, जल जंगल जमीन का कानूनी हक तथा वन अधिकार अधि नियम के तहत लम्बित दावों का एक वर्ष के भीतर समाधान करेगी।

# दून चिकित्सालय में मारपीट व अभद्रता करने पर एमबीबीएस के छात्र पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। दून चिकित्सालय में मारपीट कर अभद्रता करने पर पुलिस ने एमबीबीएस के छात्र पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. अनुराग अग्रवाल चिकित्सा अधीक्षक दून मेडिकल कालेज ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पांच अप्रैल को संस्थानान्र्गत एमबीबीएस के छात्र कनुराज पुत्र धर्मेन्द्र सिंह निवासी सहस्त्रधारा रोड, अधोईवाला, द्वारा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज सम्बद्ध दून चिकित्सालय के अन्तर्गत विभागाध्यक्ष कार्यालय प्रस्तति एवं स्त्री रोग विभाग में जाकर विभागाध्यक्षा से अमर्यादित व्यवहार, अपशब्दो का प्रयोग, शांति व्यवस्था भंग करते हुए वहॉ उपस्थित संरक्षक /सुरक्षाकर्मी से हाथापाई की,जो कि बेहद निदंनीय अक्षम्य है, उक्त छात्र पूर्व में इस तरह की अप्रिय घटनाओं में संदिग्ध रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# पुलिस चौकी में खड़े वाहनों में लगी आग, पांच वाहन जलकर हुए खाक

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश कोतवाली क्षेत्रांर्तगत आईडीपीएल पुलिस चौकी में खड़े वाहनों मे अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि पांच वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची फायर सर्विस की गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली क्षेत्र की आईडीपीएल पुलिस चौकी में काफी लंबे समय से खड़े वाहनों में आज सुबह अचानक आग लग गई। अचानक लगी आग से मौके पर अफरा तफरी फैल गयी। घटना की सूचना मिलने पर फायर सर्विस टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग इतना विकराल रूप ले चुकी थी उसकी चपेट में आकर पांच वाहन जिनमें तीन अल्टो कार, एक इंडिगो पूरी तरह जल गए जबकि एक सेंट्रो का बोनट जल गया, हालांकि ये सभी कंडम गाड़ियां थी। जिस जगह आग लगी वहा करीब 60-70 गाड़ियां (कार, ट्रक और मोटरसाइकिल) खड़ी थी, जिनको फायर सर्विस की टीम ने जलने से सुरक्षित बचा लिया। अभी आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। जिसकी जांच की जा रही है।

# ऑपरेशन मुक्ति के तहत 6 साल में 3981 बच्चों का स्कूलों में कराया दाखिलाः अभिनव

संवाददाता

देहरादून। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने बताया कि छह साल में 8562 बच्चों का सत्यापन किया जा चुका है तथा 3981 बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराया गया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने बताया कि बच्चों से करायी जा रही भिक्षावृत्ति, बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम, बच्चों को अपराध में संलिप्त होने से रोकने एवं उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किये जाने हेतु ''ऑपरेशन मुक्ति'' अभियान 01मार्च 2024 से 31मार्च 2024 तक प्रदेश के समस्त जनपदों व रेलवेज में चलाया गया। समस्त जनपदों में एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा उक्त अभियान को चलाया गया। रेलवेज में भी एक टीम का गठन कर अभियान को चलाया गया। उन्होंने बताया कि उक्त अभियान हेतु अन्य सम्बन्धित विभागों/स्वयं सेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया गया। अभियान जनपद के मुख्य-मुख्य स्थान जहां बच्चों द्वारा

भिक्षावृत्ति की जाती है, पर अभियान को चलाया गया, जिसमें भिक्षावृत्ति/ कूड़ा बीनने/ गुब्बारे बेचने आदि कार्यों में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर उनका विद्यालयों में दाखिला कराये जाने हेतु कार्यवाही की गयी। स्कूल-कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों, महत्वपूर्ण चौराहों, सिनेमाघरों, बस व रेलवे स्टेशनों, धार्मिक स्थलों आदि पर बच्चों को भिक्षा न दिये जाने के सम्बन्ध में विभिन्न माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं व जनता को जागरूक किया गया। उक्त अभियान में भिक्षा मांगने/ कूड़ाबीन ने/ गुब्बारे बेचने आदि कार्यों में लगे कुल 892 बच्चों का सत्यापन किया गया, सत्यापन किये गये 892 बच्चों में से कुल 378 बच्चों का विद्यालयों में दाखिला कराया गया, अन्य बच्चों के विद्यालयों में दाखिला कराये जाने की कार्यवाही प्रचलित है। अभियान के दौरान बच्चों से भिक्षावृत्ति करवाने वाला कोई गैंग प्रकाश में नहीं आया। अभियान के दौरान बाल श्रम करते पाये गये 06 बच्चों को रेस्क्यू कर नियोजकों के विरूद्ध 02 अभियोग तथा भिक्षावृत्ति करते पाये गये 08 व्यक्तियों के विरूद्ध 02 अभियोग पंजीकृत कराये गये। वर्ष 2017 से अब तक 8562 बच्चों का सत्यापन किया जा चुका है तथा 3981 बच्चों का स्कूलों में दाखिला कराया गया है।

# सैन्यकर्मी से लाखों की धोखाधडी करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर सैन्य कर्मी से लाखों की धोखाधडी करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सुन्दरखाल लैसडाउन निवासी सुनील सिंह रावत ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह भारतीय सेना में सेवारत है तथा वर्तमान में जम्मू एण्ड कश्मीर में तैनात है। उसको आशीष खण्डूरी पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी हाथीबडकला, व सुरेन्द्र सिंह बिष्ट निवासी लोअर कैम्प के द्वारा उसको भूमि पछवादून, तहसील विकासनगर जिला देहरादून में दिखाई गयी। जिसका विक्रय पत्र उसके हक में चतरू निवासी-ग्राम परवल, उम्मेदपुर से अंकित व निश्पादित कराया गया। उपरोक्त भूमि को मूल स्वामी चतरू से विक्रय अनुबन्ध पत्र के माध्यम से पूर्व ग्राम प्रधान इंस्टहोपटाऊन नौशाद खान द्वारा अनुबन्ध पत्र के माध्यम से उठायी गई थी तथा उपरोक्त भूमि का विक्रय पत्र का पंजीकरण नौशाद खान के कथनानुसार ही उसके हक चतरू से कराया गया था। वर्ष 2013 के उपरान्त वर्ष 2018 में उपरोक्त आशीष खण्डूरी व नौशाद खान द्वारा उससे यह कथन किया गया कि वह जिस भूमि पर काबिज व काश्त हो उसका खसरा नम्बर विक्रय पत्र में गलत दर्ज व अंकित हो गया है। उसकी उपरोक्त भूमि बल्लूपुर-पाँटा राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण में आने के कारण उसको ज्ञात हुआ कि उसकी भूमि सरकार द्वारा अधिग्रहित की जा रही है जिस कारण वह अपने तैनाती स्थल से अवकाश प्राप्त कर सक्षम प्राधिकारी /विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड के कार्यालय में अपनी भूमि से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज लेकर उपस्थित हुआ, जहाँ उसको ज्ञात हुआ कि उसकी भूमि मौके के अनुसार सरकार द्वारा अधिग्रहित की जा रही है। उसके द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र के लेखपाल से अपनी उपरोक्त भूमि का मौका मुआयना कराया गया जिसके उपरान्त प्रार्थी को ज्ञात हुआ कि उसके दस्तावेज में दर्ज खसरा उपरोक्त काबिज भूमि से बहुत ही दूर स्थित है जिस कारण उसको ज्ञात हुआ कि उसको उपरोक्त बल्लूपुर पौंटा राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण का कोई मुआवजा प्राप्त नहीं हो पायेगा। उसने जब आशीष खण्डूरी, नौशाद खान व चतरू से सर्म्पक किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने उसके पैसे हडपने के लिए यह भूमि बेची थी तथा उससे जो हो सकता है कर ले। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

# गैगंस्टर एक्ट के आरोपियों को तमचों सहित किया गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से एक-एक तमंचे व एक-एक कारतूस भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली रामनगर क्षेत्रान्तर्गत आरोपी चन्दन सागर पुत्र छत्रपाल निवासी शिवलालपुर रियूनिया रामनगर, अंकित उर्फ छोटू पुत्र सुभाष सिंह निवासी लूटाबड़ रामनगर आदि द्वारा गैंग बनाकर लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। जिससे आम जनता में दहशत व आतंक का माहौल बन गया था।

अत: उक्त बदमाशों की गतिविधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु जिलाधिकारी से उनके खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम में कार्यवाही करने की प्रार्थना की गयी थी।

जिस पर जिलाधिकारी के आदेश पर कोतवाली रामनगर पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए बीती शाम एक सूचना के आधार पर फरार चल रहे चन्दन सागर उर्फ सागर पुत्र स्व. छत्रपाल सिंह निवासी रियूनिया थाना रामनगर, अंकित सिंह उर्फ छोटू पुत्र सुभाष सिंह निवासी लूटाबढ रामनगर, आदित्य सिंह उर्फ मिन्टा पुत्र राकेश सेनी निवासी हल्दुआ रामनगर व भानु प्रताप बिष्ट उर्फ लक्की पुत्र जसपाल सिंह बिष्ट निवासी पम्पापुरी रामनगर को सावल्दे में ढेला पुल के नीचे से दबिश देकर गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से एक-एक तमंचे व कारतूस भी बरामद किये गये है।

## एक नजर

# स्कॉर्पियो की टक्कर के बाद फॉर्च्यूनर में लगी आग, जिंदा जले एसीपी और गनमैन

लुधियाना। पंजाब पंजाब के लुधियाना शहर में शुक्रवार रात को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में लुधियाना ईस्ट के एसीपी और गनमैन की मौत हो गई। वहीं ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान पहचान एसीपी संदीप सिंह और मृतक गनमैन परमजोत सिंह के रूप में हुई है। एसीपी अपने ड्राइवर और गनमैन के साथ कार से चंडीगढ़ जाने के लिए घर से निकले थे। लुधियाना जिले के समराला अंतर्गत दयालपुर बाई पास के समीप चंडीगढ़ हाईवे के फ्लाईओवर पर रात में करीब 1.15 बजे उनकी फॉर्च्यूनर कार में एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ओवर टेक कर रही थी, उसी दौरान स्कार्पियो अनियंत्रित होकर उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे फॉर्च्यूनर कार में आग लग गई। एसीपी संदीप सिंह अपने सरकारी गनमैन प्रभजोत सिंह और ड्राइवर के

साथ फॉर्च्यूनर कार का दरवाजा खोलने की बहुत कोशिश की, लेकिन दरवाजा खुला ही नहीं। जिसकी वजह से दोनों कार के अंदर ही जिंदा जल गए। उधर से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी तो जलती कार की आग को बुझाने में लोग जुट गए। जब तक में आग बुझी और कार के अंदर मौजूद पुलिस अधिकारियों को बाहर निकाला गया, तब तक में दोनों लोगों की मौत हो चुकी थी। घायल ड्राइवर गुरप्रीत सिंह को आस-पास के लोगों ने ही अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे लुधियाना के लिए रेफर कर दिया गया। आग से कार पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गई है।

# अनिकेतशास्त्री महाराज पर भीड ने किया हमला !

नासिक। अनिकेतशास्त्री महाराज पर 3 अप्रैल की रात 1 बजे नासिक हाईवे के पास कट्टरपंथियों ने आक्रमण किया तथा उनकी कार के शीशे क्षतिग्रस्त किए । अनिकेत शास्त्री महाराज ने इस संबंध में नासिक के उपनगरीय पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है और राज्य सरकार से पुलिस सुरक्षा की मांग की है। अनिकेत शास्त्री महाराज ने दावा किया है कि उन पर यह चौथा हमला है। महाराज

ने राज्य सरकार से पुलिस सुरक्षा देने का अनुरोध किया है । वर्ष 2020 में पालघर में भीड ने आक्रमण कर 2 साधुओं की हत्या कर दी थी । महाराज ने आशंका व्यक्त की कि यह आक्रमण उसी नरसंहार के समान है। महाराज पर हमला करने वाले कट्टरपंथियों ने सडक की अन्य कारों में भी तोडफोड की । महाराज की गाडी पर भी लात-घूंसे और लाठियां बरसाई गईं। इस पर महाराज ने कहा, हमने कार को बाहर निकालकर अपने प्राणों की रक्षा की । उन पर यह अब तक का चौथा आक्रमण है । अनिकेत शास्त्री महाराज ने कहा, पिछले कुछ महीनों से अज्ञात लोग आश्रम पर पथराव कर रहे हैं, गौशाला में शराब की बोतलें फेंक रहे हैं और वाहनों पर बार-बार पत्थर फेंक रहे हैं।

# अमेरिका के ओहियो में भारतीय छात्र की मौत

ओहायो। अमेरिका में भारतीय छात्रों की मौत के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब ओहायो राज्य में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। वर्ष 2024 की शुरुआत से लेकर अब तक पिछले 3 महीनों में भारतीय या भारतीय मूल के 10वें छात्र की मौत थी। पुलिस फिलहाल इस मामले की जांच कर रही है। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ओहायो के क्लीवलैंड में एक भारतीय छात्र श्री उमा सत्य साईं गड्डे के दुर्भाग्यपूर्ण निधन से गहरा दु:ख हुआ। पोस्ट में बताया गया है कि पुलिस जांच जारी है और शव को भारत भेजने के प्रयास किये जा रहे हैं। दूतावास ने कहा कि वह भारत में परिवार के साथ संपर्क

में है। पोस्ट में कहा गया है, श्री उमा गड्डे के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत पहुंचाने सहित हरसंभव सहायता दी जा रही है। हाल के सप्ताहों में अमेरिका में भारत और भारतीय मूल के छात्रों की मौत की घटनाएं बढ़ी हैं। इससे भारत और भारतीय अमेरिकी समुदाय में चिंता बढ़ गई है। इससे पहले अमेरिका के जॉर्जिया में 25 साल के विवेक सैनी की एक ड्रग एडिक्ट ने हत्या कर दी थी। वहीं 19 वर्षीय श्रेयस रेड्डी बेनिगर ओहायो में ही मृत पाया गया था। श्रेयस ओहायो में लिंडनर स्कूल ऑफ बिजनेस का स्टूडेंट था। इसके अलावा नील आचार्य पर्ड्यू यूनिवर्सिटी कैंपस में मृत मिला था। वहीं भारतीय अमेरिकी मूल के अकुल धवन का मृत शरीर यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉय के बाहर मिला था। वहीं भारतीय अमेरिकी छात्र समीर कामथ का मृत शरीर एक नेचर प्रीजर्व से मिला था। कामथ पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रहे थे।

# भाजपा ने मनाया 45 वां स्थापना दिवस

## ❑मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने का लिया संकल्प

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने आज देशभर में अपना 45 वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर राजधानी दून में भाजपा मुख्यालय सहित सभी जिला मुख्यालय में कार्यक्रमों का आयोजन कर ध्वजारोहण किया गया।

बलवीर रोड स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि आज से 45 वर्ष पूर्व आज ही के दिन भाजपा की एक राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि तब भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों ने यह सोचा भी नहीं होगा कि मात्र 4 दशक में भाजपा देश और विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का यह 45 साल का सफर अत्यंत ही संघर्षों से भरा रहा है। आज अगर भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल या

संगठन बना है तो इसके लिए भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कठोर मेहनत की है और कई पीढियां का योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि आज करोड़ों लोगों का समर्थन

## ❑धामी बोले आज का दिन ऐतिहासिक

भाजपा के साथ है। उन्होंने भाजपा के उन सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया जिनकी मेहनत से भाजपा सफलता के इस मुकाम तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि सफलता के इस सफर को हमें अभी बहुत आगे तक लेकर जाना है। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर अन्य कई बड़े नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

वहीं भारतीय जनता पार्टी के 45 वें स्थापना दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नेशवीला रोड़ स्थित अपने निजी आवास तथा भाजपा महानगर कार्यालय में पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर टिहरी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, लोकसभा चुनाव प्रभारी विनय रुहेला, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल सहित पार्टी के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

# संदिग्ध अवस्था में जले वाहन में मिला महिला का शव

संवाददाता

देहरादून। संदिग्ध अवस्था में टैक्सी स्टैंड पर खडे छोटा हाथी में आग लग गयी जिसमें एक महिला का जला शव भी बरामद हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टैक्सी स्टैंड पर एक छोटा हाथी जो काफी समय से खराब स्थिति में खडा था, जिसमें आग लग गई। इसकी सूचना रात्रि एक बजकर 20 मिनट पर विकासनगर कोतवाली पुलिस को दी गयी। सूचना मिलत ही पुलिस मौके पर पहुंची। विकासनगर पर एक छोटा हाथी जो काफी समय से यहां खराब स्थिति में खडा था। उसमें आग लगी है। घटनास्थल पर पुलिस ने देखा कि वाहन में आग लगी थी आसपास खडी गाडियों को मौके से हटवाकर आग बुझायी गयी। आग बुझाने के पश्चात पुन: चैक किया तो वाहन के केबिन में जले कपडो के नीचे कुछ उभरी चीज का आभास हुआ जो कि शव होना पाया गया जो कि जली अवस्था में था। मौके पर जांच करने पर उक्त शव शबाना उर्फ पिंकी पत्नि शमशाद पुत्री खालिद निवासी सरयू मुर्शिदाबाद वेस्ट बंगाल का है जिसकी उम्र लगभग 27 वर्ष है जो कि रात्रि में उक्त वाहन में ही रहती थी। पुलिस के अनुसार मृतका घुमंतु व नशे की आदी थी, लोगों से खाना मांग कर खाती थी। अपना घर बार छोड़ रखा था। मृतिका के शव को मौके से निकालकर मोर्चरी में रखा गया पंचायतनामा की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस वाहन में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

# होम वोटिंग की सुविधा के तहत 85+ मतदाताओं को कराया मतदान

देहरादून (कासं)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.बी.वी.आर. सी. पुरुषोत्तम की उपस्थिति में होम वोटिंग की सुविधा के तहत् शनिवार को जनपद देहरादून में 85+ मतदाताओं को मतदान कराया गया। इसके साथ ही, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदान कर्मियों द्वारा

पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान के लिए डाकरा देहरादून में संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह में लगाए गए कैंप का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका एवं सीडीओ देहरादून सुश्री झरना कामठान भी उपस्थित थी।

# बच्ची पर हमला करने वाला गुलदार हुआ पिंजरे में कैद

हमारे संवाददाता

पौड़ी। श्रीकोट गंगानाली क्षेत्र में बीती रात बच्ची पर हमला करने वाला गुलदार आखिरकार पिंजरे में कैद हो ही गया। हालांकि इस हमले में बच्ची बुरी तरह घायल हुई हैं जिसे हायर सेंटर रैफर किया गया है।

बता दें कि बीती शाम श्रीनगर स्थित श्रीकोट गंगानाली क्षेत्र में घर के आंगन में खेल रही एक सात वर्षीय मासूम पर गुलदार ने हमला कर दिया था। जिसमें बच्ची बुरी तरह से घायल हो गयी। जिसके बाद बच्ची को गंभीर हालत में उपचार के लिए बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची की हायर सेंटर एम्स रेफर कर दिया है। जहां बच्ची का उपचार चल रहा है।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए वन विभाग ने घटना के तुरंत बाद क्षेत्र में पिंजरा लगा दिया था। जिसके बाद गुलदार पिंजरे में कैद हो गया है। रेंज अधिकारी ललित मोहन सिंह नेगी बताया कि गुलदार को वन विभाग की टीम द्वारा रेस्क्यू कर पौड़ी नागदेव रेंज लाया गया है। जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण कर उच्च अधिकारियों के निर्देशों पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। वहीं घटना का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने अस्पताल प्रशासन को बच्ची का उचित इलाज करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही वन विभाग और प्रशासन की टीम को घटना का संज्ञान लेने के निर्देश दिए थे।

**आर.एन.आई.-** 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*